४०२/२५५

**बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था**

# सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १२ जून, २०११)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

## सत्संग प्रवेश - २

**सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।** **कुल गुण : ७५**

### विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

**प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** [ ९ ]

१. ''तुम लोगों के यहाँ घोड़ियाँ पूँछें झटकारती रहती हैं ।'' (३९)
२. ''वह नाई का थैला काँख में दबाकर निर्मानी बनकर खड़े हैं ।'' (६८)
३. ''स्वामिनारायण ने हमको शुद्ध किया, धर्म-नियम-सदाचार का शिक्षण दिया ।'' (१५)

**प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में)** [ ६ ]

१. समैया में जाने से चित्त निर्मल होता है । (४१)
२. सत्यकाम के चेहरे पर ब्रह्मतेज झलकने लगा । (२८)
३. दाजीभाई के परिवार के लोगों ने अन्त में उनके पैरों में बेड़ियाँ ड़ालकर एक कमरे में बन्द कर दिया । (६३)

**प्र.३** 'रत्नाकर और चार भाई' (२३) **- प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [ ५ ]

**प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** [ ५ ]

१. झमकूबा किस त्रास से मुक्ति पाना चाहते थे ? (५५)
२. राजकुमार ने क्या देकर बुद्धि माँगी ? (६९)
३. महाराज ने शीतलदास को कोन से मंत्र की धुन लगाने का आदेश दिया ? (१६)
४. आत्मानन्द स्वामी को महाराज के प्रत्यक्ष दर्शन कहाँ हुए ? (२९)
५. कौन से चार बेजोड़ विद्वान सद्‌गुरुओं ने वचनामृत ग्रंथ तैयार किया ? (५९)

**प्र.५** 'भगवान ने कहा है कि....' (७४) **- 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [ ५ ]

**प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए ।** [ ८ ]

१. तुम्हारो तव ........ राखियो पास । (२२)
२. रामकृष्ण गोविन्द ....... स्वामिनारायण हरे । (१९)
३. पुरुषोत्तमनारायण ...... सहजानन्दजी । (३५)
४. अनन्तकोटि ....... नमामि । (२०) **- श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

### विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

**प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** [ ९ ]

१. ''आपको हैरान-परेशान करनेवाले व्यक्तियों के यदि आप नाम दे दें तो मैं उन्हें नडियाद की जेल में भिजवा दूँ ।'' (५७)
२. ''दूर से केवल द्वार का ही दर्शन कर लेगा, उसको लेने के लिये स्वयं श्रीजीमहाराज और स्वामी पधारेंगे ।'' (९२)
३. ''आप समाधि में बैठ जाइये और महाराज से निवेदन कीजिये ।'' (८५)

**प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में)** [ ६ ]

१. मातापिता ने लड़के के शरीर पर कपड़ा डाल कर बगल के दूसरे घर में रख दिया । (४)
२. यज्ञपुरुषदासजी को अपने कमरे में देखकर जागा भक्त चौंक उठे । (३४)
३. स्वामीश्री ने जन्माष्टमी के समैया के उत्सव पर अटलादरा पहुँचने का निश्चय किया । (९९)

**प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक)** [ ५ ]

१. अभयदान देने की आज्ञा (३८)  २. यह तो मेरा छेलछबीला लाल (२५)  ३. सारंगपुर की शोभा (६७)

**प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** [ ५ ]

१. शास्त्रीजी महाराज के लिए कहे हुए कौन से शब्द सुर्वण जयन्ती के अवसर पर सच हुए ? (९४)
२. वढवाण का तार स्वामीश्री को कहाँ पर मिला ? (४७)
३. डभोई में किस को भगतजी का अनादर सा था ? (२९)
४. स्वामीजी की ८० वीं जन्म जयन्ती मनाने का किसने सब से प्रथम संकल्प किया और कहाँ मनाई गई ? (८९)
५. डुंगर भक्त ने कौन सी साल में किस के पास पढाई शुरू की ? (९)

(पृष्ठ पलटिये)

---

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-२**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

| | दिनांक | महीना | साल |
|---|---|---|---|
| परीक्षार्थी का जन्म दिन :- | ☐☐ | ☐☐ | ☐☐☐☐ |

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

**सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)**

**प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।** **[ ६ ]**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।**

१. सारंगपुर मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा । (४०/७३)

(१) ☐ आठ दिनों तक सारे गाँव ने हलुवा खाया फिर भी हलुवा घटा नहीं ।

(२) ☐ गुणातीतानन्द स्वामी की मूर्ति उठाई नहीं जाती थी ।

(३) ☐ सवा दो वर्षों में मन्दिर का काम पूरा कर दिया ।

(४) ☐ प्रतिष्ठा के दो दिन पहले बरसात ।

२. रंगाचार्य के उद्‌गार (३१,३२)

(१) ☐ यज्ञपुरुषदास (ठाकरिया) बिच्छू हैं ।

(२) ☐ 'आये भैया ! बहुत प्रतीक्षा करवायी ?'

(३) ☐ गुणीजनों के गुण ही पूजे जाते हैं, उनकी जाति या उम्र नहीं ।

(४) ☐ अस्मिन सम्प्रदाये एकमेव ।

३. शास्त्रीजी महाराज ने अपने कर कमलों से किन मन्दिरों में प्रतिष्ठा की ? (९०, ६२)

(१) ☐ अटलादरा (२) ☐ भादरा

(३) ☐ वढवाण (४) ☐ बोचासण

**प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए ।** **[ ६ ]**

**सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।**

**उदाहरण :** **दिल की सफाई का साधन :** कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे – पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

**उत्तर :** **दिल की सफाई का साधन :** **भगतजी** ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे – **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **दिव्य समाधि :** गांधीजी दांडीकूच के समय स्वामीश्री को जूनागढ में मिले । स्वामीश्री ने कहा, 'इस देश को पूरी स्वतन्त्रता मिले, इस हेतु यह प्रमुखस्वामी आज से माला फेरेगा ।' (८२)

२. **वढवाण मन्दिर में अक्षरपुरुषोत्तम की प्रतिष्ठा :** वढ़वाण मन्दिर की प्रतिष्ठा के समाचार सुनकर भीमजी कोठारी स्तब्ध हो गये और बोले : 'जैसी स्वामी की मरजी ।' (४७)

३. **अटूट विश्वास :** दो सौ मन का पत्थर मन्दिर उपर चढ़ा रहे थे, तब सात में से छः रस्से टूट गये तब स्वामीश्री की आज्ञा से शंकर भगत ने सभी रस्से बाँध दिये । (७५)

४. **गुरुशिष्य का प्रेम प्रवाह :** हरिभक्तों भगतजी महाराज के दर्शन के लिए जाते थे तब यज्ञपुरुषदासजी ने हरिकृष्ण महाराज का प्रसादी का गुलाब का हार और एक माला भगतजी महाराज को भेंट के रूप में भेजा था । (२६)

५. **गुणातीत का गौरव :** नन्हा गोखरवाला गाँव के हरिभक्त करसनभाई को गुणातीतानन्द स्वामी ने दर्शन देकर कहा कि मेरे भक्त की रक्षा के लिये मुझे वहाँ पहुँचना हैं । (६१)

६. **गुणातीत-समाधि स्थान में मन्दिर :** गोंडल के महाराजा ने एक शर्त रखी थी कि उस स्थान पर स्थायी रूप से अक्षरदेरी होनी चाहिये, पाँच वर्षों में वह काम पूरा होना चाहिए और उसमें कम से कम पचीस लाख रुपये खर्च किया जाना चाहिये । (८३)

⁂

**सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १० जुलाई, २०११ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।**